मालपुरा को जिला बनाने के लिए आंदोलन जारी, गुर्जर समाज अनशन पर बैठा

विधायक व जनप्रतिनिधियों सहित सैंकड़ों लोगों ने स्टेट हाईवे जाम कर स्वैच्छिक गिरफ्तारियां दी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच जिला बनाओ कोर कमेटी के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन सोमवार को 16वें दिन भी जारी रहा। एसडीएम आवास के सामने शुरू किया गया आमरण अनशन व धरना 14वें दिन भी जारी रहा।

जनआंदोलन के समर्थन में उतरे युवाओं ने युवा शक्ति के आव्हान पर शहर में रैली निकाल प्रदर्शन करते हुए स्टेट हाईवे जाम कर दिया। डाक बंगले से काली पट्टीयां बांध कर हाथों में श्लोगन लिखी तख्तियां लहरा गहलोत सरकार होश में आओ मालपुरा को जिला बनाओ जैसी नारेबाजी करते हुए व्यास सर्किल पहुंचे और जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे को जाम कर धरने पर बैठ गये। विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व विधायक रणवीर पहलवान, डीआर भरत राज, पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा, बार अध्यक्ष प्रेमचन्द सैनी, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पदाधिकारी विवेक व्यास, डीआर छोगालाल गुर्जर, गोपाल गुर्जर, कैलाश गुर्जर, नन्दलाल डोई, रघुवीर सिंह, मुंशी खां, मनीष सोनी सहित जनप्रतिनिधियों व सर्वसमाज व सर्व राजनीति दलों से जुड़े लोगों ने युवा शक्ति के साथ तकरीबन एक घंटे स्टेट हाईवे जाम कर धरना प्रदर्शन किया। युवा शक्ति के आव्हान पर विधायक व जनप्रतिनिधियों सहित सैंकडों की संख्या में मौजूद लोगों ने व्यास सर्किल पर स्वैच्छिक गिरफ्तारियां दी। एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, थानाधिकारी भूराराम खिलेरी सहित चारों थानों के पुलिस जवानों ने टोंक से बुलाये गये अतिरिक्त पुलिस जाप्ते के साथ आंदोलनकारियों की गिरफ्तारियां कर अस्थाई जेल भेजा। जेल भरो आंदोलन में सैंकडों लोगों द्वारा स्वैच्छिक गिरफ्तारियां दे मालपुरा को जिला घौषित नहीं किये जाने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

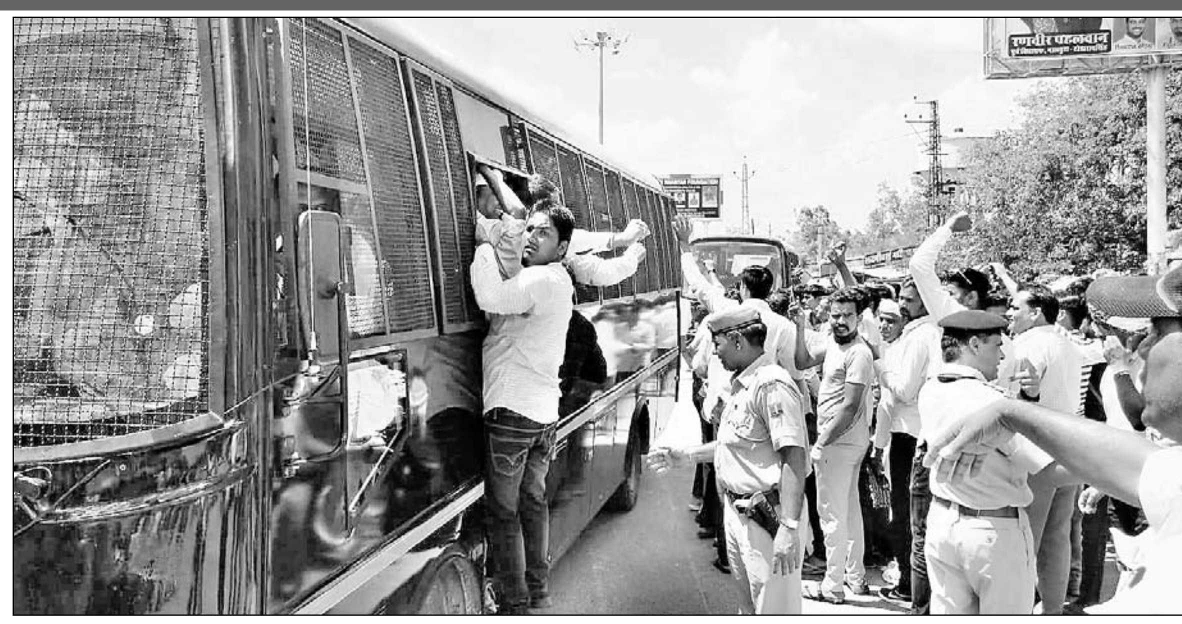

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर युवा शक्ति के आह्वान पर विधायक कन्हैयालाल चौधरी व जनप्रतिनिधियों ने सैंकडों लोगों के साथ स्टेट हाईवे पर धरना प्रदर्शन कर स्वैच्छिक गिरफतारियां दी।

एसडीएम आवास के सामने 14 दिनों से आमरण अनशन व धरने पर बैठे अनशनकारियों से मिलने व स्वास्थ्य को मध्य नजर रखते हुए मालपुरा पहुंचे जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील ने अनशनकारियों से अनशन खत्म कर आंदोलन में भागीदार बनने की अपील करते हुए जल्द मालपुरावासियों की मांग से मुख्यमंत्री को अवगत करवा प्रतिनिधि मंडल से मिलने का समय तय करने का विश्वास दिलाया। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर की दूदू को जिला बना रियासत काल से कमिश्नरी रहे एवं जिला मुख्यालय बनने के सभी मापदण्ड पूरे करने के बावजूद भी मालपुरा को जिला बनाये जाने पर खेद व्यक्त किया।

■ **शिक्षकों ने सीएम को राज्य स्तरीय सम्मान लौटाने की चेतावनी दी, आमरण अनशन व धरना जारी**

अविकानगर पहुंचे राज्य के कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचन्द कटारिया को विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने मालपुरावासियों का मांग पत्र व ज्ञापन सौंप मुख्यमंत्री व मालपुरा की जनता के बीच मध्यस्था करते हुए कोर कमेटी से सीएम की वार्ता का समय मांगने की अपील की। सोमवार को गुर्जर समाज व किसान कल्याण सेवा समिति ने सीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंप धरना स्थल पर अनशन पर बैठे।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षक गिरधर सिंह, डॉ. राजकुमार वर्मा, रामप्रसाद वर्मा व बीएल गुर्जर के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मिल मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग करते हुए जल्द सकारात्मक घोषणा नहीं करने पर राज्य सरकार द्वारा उन्हें दिये राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान सरकार को लौटाने की चेतावनी दी। बीते 14 दिनों से अपनी गर्भवती पत्नी के पास रहने से ज्यादा मालपुरा के हित व स्वाभिमान को सर्वोपरि मान आमरण अनशन पर बैठे स्वप्निल भडाणा के घर में बेटी की किल्लकारी गुंजी। भडाणा की पत्नी ने मीडिया व कोर कमेटी को कहा कि जब तक मालपुरा को जिला नहीं बना दिया जाता तब तक मेरे पति अपने संकल्प को पूरा करने के लिए आंदोलन में भागीदार रहे व अपने मिशन में कामयाब हो। सोमवार को शहर के युवा व्यापारी रजनीश मैन्दवास्या ने भी स्वप्रेरणा से अनशन शुरू किया है। भारत विकास परिषद ने अनशनकारियो को अपना समर्थन दिया। आज बैरवा समाज ने अनशन पर बैठने की घौषणा की है।

विराटनगर को जयपुर जिले में यथावत रखने की मांग

पावटा, (निसं)। विराटनगर, मेड, कुंडला क्षेत्र को जयपुर जिले में यथावत रखने की मांग को लेकर सोमवार को संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर क्षेत्र के सभी सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, नगर पालिका अध्यक्ष सहित पार्षदों की सहमति पत्रों को संलग्न कर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन पत्र के साथ क्षेत्र के सभी सरपंच पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य के लिखित पत्र भी साथ में सौंपे गए। प्रतिनिधिमंडल ने जनमानस की भावनाओं को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अवगत करवाते हुए बताया कि विराटनगर का शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक जुडाव संपूर्ण रुप से जयपुर जिले में ही है। क्षेत्र का जनमानस जयपुर जिले में यथावत रहने की मांग कर रहा है। जिसमें सभी समाज पार्टीवाद से ऊपर उठकर एकजुट है।

■ **विराटनगर क्षेत्र के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मिलकर ज्ञापन सौंपा**

इस दौरान पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश यादव, मंडल महामंत्री सत्यनारायण सैनी, जनसंया समाधान फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन शर्मा जवानपुरा, सेवानिवृत्त अधिकारी बाबूलाल रुंडला, ओएसडी महेंद्र शर्मा, पंकज पाराशर, चेयरमैन प्रतिनिधि नरेंद्र बबेरवाल, जिला पार्षद प्रतिनिधि शिवदान फागणा, प्रेम सैनी, पूर्व सरपंच संतोष मोदी, मंडल अध्यक्ष प्रकाश राठी, मंडल अध्यक्ष सीताराम सैनी, रामेश्वर सैनी, पूर्व सरपंच राजेश यादव, बाबूलाल शर्मा भामोद, सुरेश बादलीवाल, चंद्र प्रकाश सैनी, सुरेंद्र शर्मा पापडा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन द्वारा दर्ज मुकदमे की निंदा की

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। गुढ़ा बचाओ संघर्ष समिति ने गुढ़ागौड़जी में प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस में एक अप्रेल को महापंचायत को लेकर पत्रकारों से बातचीत की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में समिति के संयोजक कुरढ़ाराम जाखड़ ने बताया कि गुढ़ागौड़जी से होकर गुजरने वाली स्टेट हाइवे 37 को जाम करने के लिए महापंचायत में आए हुए महिला-पुरुषों पर पुलिस प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है। जाखड़ ने कहा कि हमने महापंचायत शांतिपूर्ण तरीके से की थी और किसी प्रकार का जाम नहीं लगाया था। मीटिंग में संख्या अधिक होने के कारण दोनों तरफ की रोड पर लोग इकट्ठे हो गए थे। जबकि पुलिस प्रशासन से मीटिंग की परमिशन भी ली गई थी। जिसके बाद ही एक तरफ की रोड़ पर टेंट और दरिया बिछाकर महापंचायत की जा रही थी। अचानक से जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिसके लिए माईक से पुलिस प्रशासन से अपील भी की गई थी की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए। पुलिस ने व्यवस्था को देखते हुए चंवरा मोड़ पर अपनी बस को रोड़ पर आड़ा लगाकर वाहनों को दूसरे रास्ते से सुचारू किया जा रहा था। संपूर्ण महापंचत शांतिपूर्ण तरीके से की गई। इसके बाद राजनीतिक दबाव से पुलिस प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया। जिसकी गुढ़ा बचाओ संघर्ष समिति द्वारा घोर निंदा की गई है।

संघर्ष समिति द्वारा कहा गया है कि पुलिस प्रशासन ने मुकदमा दर्ज किया है और हम पुलिस प्रशासन पर ही मुकदमा दर्ज कराएंगे। जो चंवरा मोड़ पर अपनी बस लगाकर आवागमन को बाधित किया गया था। जिसकी ड्रोन कैमरा से रिकॉर्डिंग की गई हैं और हरेक प्रमाण है। जो पुलिस प्रशासन खुद आवागन को बाधित किया है। इसलिए ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों सहित 67 नाम और 5000 अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। इसका विरोध प्रकट करते हुए संघर्ष समिति पुलिस प्रशासन पर मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। इस प्रेस कांफ्रेंस में कुरड़ाराम, मूलचंद, नरेंद्र, जेपी महला, गणेश, सुनील, प्रहलाद, महताब, रोहितास आदि मौजूद रहे।

रतनगढ़ को जिला बनाने को लेकर संघर्ष समिति का गठन

रतनगढ़, (निसं)। थर्ड गेस्ट हाउस में रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर शहर के युवाओं की बैठक हुई, जिसमें रतनगढ़ जिला बनाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया। समिति सदस्य नवल महर्षि ने बताया कि इस दौरान सर्वसम्मति से संघर्ष समिति अध्यक्ष पद पर सूर्यप्रकाश पारीक वह कोषाध्यक्ष पवन सारस्वत को मनोनीत किया गया है। संपूर्ण कार्यकारिणी का विस्तार आगामी बैठक में किया जाएगा। इस दौरान निर्णय लिया गया कि रतनगढ़ को जिला बनाने की लेकर मुख्यमंत्री के नाम 4 अप्रैल को एसडीएम को ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में हिमांशु, भुवनेश्वर चौहान, राजेश महर्षि, रवि शर्मा, पीयूष स्वामी, महेश जांगिढ़, मनोज सोनी, महेंद्र सिंह शेखावत, राजकुमार स्वामी, श्रीकांत महर्षि, अनिरुद्ध दायमा, टोनी गहलोत, गौरीशंकर महर्षि आदि मौजूद थे।

■ **उपखंड अधिकारी को सीएम के नाम आज ज्ञापन देंगे**

इसी क्रम में शहर ब्लॉक कांठोस कमेटी के अध्यक्ष तरुण कुमार चाकलान ने मुख्यमंत्री को पत्र व ज्ञापन प्रेषित कर रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग की है। चाकलान ने बताया कि रतनगढ़ भौगोलिक दृष्टिकोण से जिला बनने के लायक है। रतनगढ़ के खोए इतिहास को पुनः लोटाने के लिए रतनगढ़ को जिला बनाना अति आवश्यक है। रतनगढ़ पूर्व में भी जिला रहा है क्षेत्रवासियों की भावनात्मक एवं तथ्यात्मक मांग को देखते हुए रतनगढ़ को पुनः जिला बनाने की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं कांग्रेस शहर ब्लॉक अध्यक्ष तरुण कुमार चाकलान ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग की है।

महावीर जी मेले के लिये पांचना बांध से छोड़ा पानी

जल संसाधन विभाग की ओर से पांचना बांध के दो गेट खोले

करौली, (निसं)। अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी में चल रहे भगवान महावीर के वार्षिक मेले के लिए रविवार रात को जल संसाधन विभाग की ओर से यहां के पांचना बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई है।

जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रीमहावीरजी मेले के लिए जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता की ओर से मिले आदेश के बाद रात करीब 8.30 बजे बांध के 2 गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई है। इस दौरान बांध से कुल 250 एमसीएफटी पानी छोड़ने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस मौके पर अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पांचना बांध का वर्तमान में जलस्तर 256.45 मीटर पर है। बांध की कुल भराव क्षमता 258.62 मीटर है।

■ **पांचना बांध का वर्तमान में जलस्तर 256.45 मीटर पर है**

उल्लेखनीय है कि चली आ रही परम्परा के अनुसार भगवान महावीरजी के मेले के दौरान भगवान जिनेन्द्र की रथयात्रा निकलती है। रथयात्रा गंभीर नदी के तट पर पहुंचती हैं। जहां परम्परा के अनुसार गंभीर नदी के पानी से भगवान का अभिषेक किया जाता है। इसी के मद्देनजर पांचना बांध से गंभीर नदी के लिए पानी छोड़ा जाता है। इस पानी से श्रीमहावीरजी, टोडाभीम इलाके तक की गंभीर नदी में पानी पहुंचने से क्षेत्र के जल स्रोत भी रिचार्ज होते हैं और गर्मियों में पशु-पक्षियों को भी पानी भी मिलता है।

सिपाही कल्याण सिंह का निधन

पावटा, (निसं)। देश को सबसे अधिक सैनिक और शहीद देनी वाली राजस्थान की वीर धरा लुहाकना खुर्द के बहादुर सिपाही कल्याण सिंह शेखावत का 105 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

कल्याण सिंह शेखावत का सोमवार को उनके पैतृक गांव लुहाकना खुर्द में अंतिम संस्कार कर दिया गया। कल्याण सिंह ने द्वितीय विश्व युद्ध में बर्मा, ईटली, फ्रांस, जर्मनी सहित अनेक मोर्चों पर जंग लड़ी थी। वे वर्ल्डवार के समय 1939 में सेना में भर्ती हुए थे। राजस्थान के कई बहादुर सैनिकों ने विभिन्न युद्धों में अपने शौर्य का परिचय देते हुए देश के लिए शहादत दी है जिनमें से ये एक थे। वे अपने गांव में ही रह रहे थे। वहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली। कल्याण सिंह के निधन के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अंतिम संस्कार में परिजनों और नाते-रिश्तेदार समेत काफी संख्या में पूर्व सैनिक भी शामिल हुए।

सरकार ने जमीन की लीज दी, ग्रामीण नहीं करने दे रहे खनन

मनोहरपुर गांव में शीशराम रणवा ने 2048 तक के लिए लीज ले रखी है

मनोहरपुर, (निसं)। ग्राम देव का हरवाड़ा के चक मनोहरपुर गांव में सरकार ने शीश राम को जमीन लीज पर दी है। जिसमें उसके द्वारा खनन कार्य किया जा रहा है। जिसको ग्रामीण आबादी क्षेत्र होना बताकर काम नहीं करने दे रहे हैं। जिस पर खनन मालिकों ने मामले की शिकायत थाना पुलिस में की है।

जानकारी के अनुसार चक मनोहरपुर गांव में शीशराम रणवा ने 2048 तक के लिए लीज ले रखी है। जिसमें कुछ दिनों से खनन कार्य कर रहा है। किंतु ग्रामीण मौके पर आ जाते हैं और लीज वाले स्थान पर आबादी बताते हुए जेसीबी मशीन को कार्य नहीं करने देते हैं। मालीराम मीणा ने बताया कि काफी दिनों से चक मनोहरपुर में कोई लीज नहीं है जबकि जमीन की लीज हुई है। यहां आए दिन विवाद के चलते खनन मालिक पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना पुलिस ने लीज मालिक से लीज के दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है। खदान मालिकों ने खनन से संबंधित कागज भी थाने में प्रस्तुत कर दिए हैं। इस दौरान ग्रामीण विरोध पर अड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जहां अवैध खनन का कार्य चल रहा है वहां पर भोमयाजी महाराज का मन्दिर व शिव मन्दिर भी शामिल है। वहीं पानी की टंकी भी पास में है। एसे में अभी बच्चों की परीक्षा चल रही है। जब खनन का कार्य चलता है तो काफी समस्या होती हैं।

थानाधिकारी उदय सिंह का कहना है कि एसडीएम व तहसीलदार, पटवारी इसकी जांच कर रहे हैं। पटवारी के पास इसका सारा रिकॉर्ड है। अगर यह लीज सही है तो चलेगी नहीं तो नहीं चलेगी।

पालना गृह में नवजात मिला

टोंक, (निसं)। राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह टोंक में स्थित पालना गृह में 2 अप्रेल की शाम को एक अज्ञात लावारिस नवजात शिशु बालक मिला। जिसको पालना गृह से कोर्डिनेटर दत्तक ग्रहण एजेन्सी महेन्द्र कुमार वर्मा, आया गुड्डी देवी व रसोईया ममता ने प्राप्त कर अधीक्षक राजकीय किशोर गृह हरीश वर्मा व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग नवल खान के निर्देशानुसार अज्ञात बालक को बाल कल्याण समिति टोंक के समक्ष प्रस्तुत किया। बाल कल्याण समिति टोंक के अध्यक्ष हेमराज चौधरी व सदस्य शैफाली जैन, शाहीन हबीब, गौरव मधुकर संजय कांटिया ने बालक को शिशु गृह टोंक में देखभाल व संरक्षण हेतु प्रवेश दिया एवं दिशा निर्देश दिये कि बालक का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जाये व संबंधित थानाधिकारियों को सूचित कराया जावे।

कार्यालय समन्वयक PTET - 2023

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

बाँसवाड़ा-327001 (राज.)

दिनांक : 01.04.2023

अधिसूचना संख्या : 02

राजस्थान राज्य में स्थित विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2023-2024 के लिए दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम तथा चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड बी.ए./बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय, राज्य सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के नियमानुसार होने वाले प्री-टीचर एज्यूकेशन टेस्ट (पीटीईटी-2023) एवं प्री.बी.ए./बी.एससी. बी.एड. 2023 के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

पात्रता

1. प्री.टीचर एज्यूकेशन टेस्ट (पीटीईटी-2023) : विधि द्वारा स्थापित किसी भी विश्वविद्यालय की स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण, जो राजस्थान राज्य के विश्वविद्यालयों की स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा के समतुल्य मानी गई हो एवं पीटीईटी-2023 की वेबसाईट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशिका में उल्लिखित प्रवेश अर्हताओं की पूर्ति करने वाले अभ्यर्थी आवेदन हेतु पात्र हैं। स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा में राज्य सरकार के नियमों के अनुरूप सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रिमीलेयर) एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (EWS) हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत एवं राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विशेष पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग तथा विधवा/तलाकशुदा महिला अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं।

2. प्री.बी.ए./बी.एससी. बी.एड. 2023 : माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अथवा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अथवा राज्य सरकार द्वारा अन्य राज्यों के समतुल्य घोषित एवं स्वीकृत बोर्ड से सीनियर सैकण्डरी (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा में राज्य सरकार के नियमों के अनुरूप सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रिमीलेयर) एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (EWS) हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत एवं राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विशेष पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग तथा विधवा/तलाकशुदा महिला अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य है।

उपर्युक्त दोनों प्रवेश परीक्षाओं हेतु वांछित न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत गणना में एक अंक भी कम स्वीकार्य नहीं होगा एवं ऐसा होना आवेदक की अभ्यर्थिता को निरस्त करने का पर्याप्त कारण होगा। पात्रता परीक्षा में इस वर्ष (2023) में अर्हता परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थी भी पीटीईटी-2023 एवं बी.ए./बी.एससी. बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2023 के लिए आवेदन कर सकते हैं। बशर्ते उनके काऊंसलिंग में भाग लेने के लिए काऊंसलिंग रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तिथि तक प्रवेश हेतु पात्रता प्रदान करने वाली परीक्षा का परिणाम आ चुका हो तथा अंकतालिका पात्रता प्राप्तांक सहित उनके पास हो।

आवेदन एवं प्रवेश परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियाँ (संशोधित) निम्नानुसार हैं :-

क्र.सं.	विवरण	महत्वपूर्ण तिथियाँ
1.	ऑनलाईन आवेदन-पत्रों की उपलब्धता	15 मार्च, 2023
2.	**परीक्षा शुल्क एवं ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि**	**15 अप्रैल, 2023 (शनिवार) (11:59:59 PM)**
3.	प्रवेश परीक्षा	21 मई, 2023 (रविवार)

आरक्षण : राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर), विशेष पिछडा वर्ग, महिलाओं, दिव्यांगों, सैनिकों व उनके आश्रितों, तलाकशुदा/विधवा महिलाओं व टाडा, माडा, सहरिया क्षेत्र (सहरिया जाति) के निवासियों, आर्थिक पिछड़ा वर्ग (EWS) को राज्य सरकार के नियमानुसार सीटों में आरक्षण उपलब्ध होगा।

आवेदन प्रक्रिया : On-Line Application Form विश्वविद्यालय वेबसाईट www.ggtu.ac.in पर जाकर दिये गये टेब बार PTET-2023 के माध्यम से भरे जायेंगे। अभ्यर्थी साईबर कैफे या स्वयं के कम्प्यूटर अथवा ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन पत्र भर सकेंगे।

अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क राशि रू. 500/- का भुगतान ऑनलाईन पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से डेबिट कार्ड/केडिट कार्ड/नेट बैंकिग अथवा ई-मित्र से कर सकेंगे तथा सफलतापूर्वक ऑनलाईन भुगतान के पश्चात् अपने आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी प्रिन्ट कर सकेंगे।

यदि अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क का भुगतान नकद करना चाहते है तो वे फॉर्म भरने के बाद प्राप्त पेमेन्ट इन्वाईस के माध्यम से ई-मित्र की किसी भी शाखा में नकद जमा करवा सकेंगे। ई-मित्र के किसी भी काऊन्टर में शुल्क जमा करवाने के अगले दिन अपने आवदेन पत्र का प्रिन्ट प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाईन भुगतान अथवा चालान के द्वारा आवेदन शुल्क जमा करवाने के पश्चात् भी यदि प्रिन्ट नहीं निकलता है तो निर्धारित अवधि में कार्यालय के हेल्पलाइन 6376265626, 6376200317 एवं ptetggtu2023@gmail.com पर सम्पर्क करें।

ऑनलाईन आवेदन पत्र : ऑनलाईन आवेदन पत्र अत्यन्त सावधानी पूर्वक भरकर उसका प्रिन्ट लें एवं परीक्षा आवेदन पत्र की हार्ड प्रति एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति अपने पास सुरक्षित संभाल कर रख लें। जिन्हें काऊंसलिंग के उपरान्त आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश के समय जमा करवाना आवश्यक है। ऑनलाईन आवेदन के समय चयन किये गये दो जिलों में प्राथमिकता एवं केन्द्र की उपलब्धता के आधार पर ही परीक्षा केन्द्र आंवटित किया जाएगा। परीक्षा केन्द्र आवंटन में समन्वयक, पीटीईटी-2023 एवं चार वर्षीय बी.ए./बी.एससी.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2023 का निर्णय अन्तिम होगा।

नोट : परीक्षार्थी अपना मोबाईल नम्बर सही भरें ताकि परीक्षा संबधित सूचना एस.एम.एस. के माध्यम से संबंधित मोबाईल नम्बर पर यथासंभव दी जा सके।

समन्वयक

पी.टी.ई.टी.-2023 एवं 04 वर्षीय बी.ए./ बी.एससी. बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2023

स्टेशनरी की दुकान चलाने वाले दिव्यांग को मिला 12 करोड़ का इनकम टैक्स नोटिस

यह नोटिस सूरत की दो शैल (बोगस) कंपनियों में बोगस खरीद-बिक्री बताने से जुड़ा है

भीलवाड़ा, (निसं)। आयकर विभाग ने एक स्टेशनरी की दुकान चलाने वाले फोटोग्राफर को 12 करोड़ 23 लाख रुपए का इनकम टैक्स नोटिस थमाया है। यह नोटिस सूरत की दो शैल (बोगस) कंपनियों में बोगस खरीद-बिक्री बताने से जुड़ा है। ये दोनों डायमंड कंपनियां हैं। आयकर विभाग ने 10 अप्रैल तक नोटिस का जवाब मांगा है। नोटिस मिलने के बाद से दिव्यांग व उसके परिवार की तो रातों की नींद उड़ी हुई है।

जानकारी के मुताबिक़ शहर की संजय कॉलोनी में महेश मार्ग पर रहने वाले किशन गोपाल छापरवाल ने बताया कि 29 मार्च 2023 को डाक से उसके घर के पते पर आयकर विभाग का नोटिस आया। तब पिता रामेश्वर लाल छापरवाल घर पर थे। उन्होंने नोटिस देखते ही अपने भाई के सीए बेटे को नोटिस व्हाट्सएप किया तो उसे बताया कि ये तो इनकम टैक्स का नोटिस है। पेनकार्ड का दुरुपयोग कर किसी ने बोगस कंपनी बना ली। तब पिता ने बेटे किशन को बाजार से घर बुलाया और नोटिस दिखाया। किशन भी भौंचक्का रह गया।

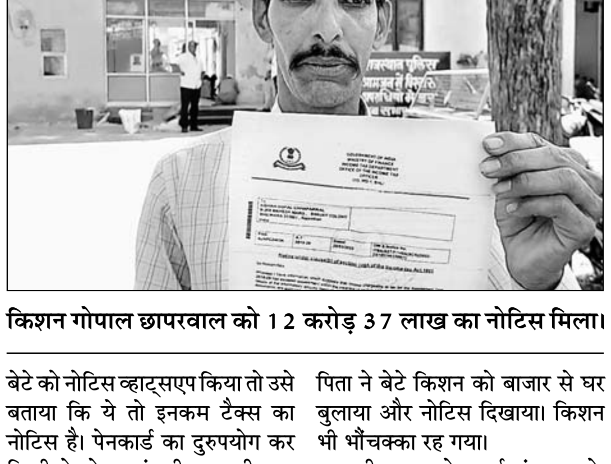

किशन गोपाल छापरवाल को 12 करोड़ 37 लाख का नोटिस मिला।

भीलवाड़ा के वार्ड नंबर 1 के

■ **धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ पीड़ित ने सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दी**

आयकर अधिकारी दिलीप राठौड़ द्वारा 28 मार्च को जारी नोटिस में बताया गया कि आयकर विभाग सूरत तथा मुंबई ने असेसमेंट ईयर 2019-20 की जांच में उसके पैनकार्ड से जुड़ी दो कंपनियों सेठ जैम्स प्रा.लि. तथा दुष्यंत वैष्णव को शैल यानी बोगस कंपनी माना। सेठ जैम्स में 53 लाख 16 हजार 709 रुपए तथा दुष्यंत वैष्यंत में 11 करोड़ 70 लाख 73 हजार 377 रुपए की बोगस खरीद-बिक्री हुई। आयकर अधिकारी ने किशन गोपाल छापरवाल को कुल 12 करोड़ 23 लाख 90 हजार 86 रुपए का कारण बताओ नोटिस भेजा है। नोटिस मिलते ही छापरवाल परिवार की नींद उड़ गई।

किशन गोपाल का कहना है कि वह सांगानेर कस्बे के आजाद मोहल्ला में स्टेशनरी की छोटी सी दुकान चलाता है। शादियों के सीजन में फोटोग्राफी कर गुजारा कर रहा है। वह कभी भीलवाड़ा से बाहर ही नहीं गया। उसके पिता रामेश्वर छापरवाल का कहना है कि हमारी तो इतनी इनकम ही नहीं है। किशन का कहना है कि उनके साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ उन्होंने सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दी है। पेन कार्ड का दुरुपयोग कर फ्रॉड करने वालों के ख़िलाफ़ उन्होंने कार्यवाही की माँग की है।